नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

पूंजीगत व्यय और सामाजिक सुरक्षा में संतुलन की कोशिश

मध्य प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को इस वर्ष का बजट पेश किया. बजट केवल राजकोषीय दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह राज्य की बदलती आर्थिक मानसिकता का घोषणापत्र है. कभी 'बीमारू' कहे जाने वाले इस प्रदेश ने अब अपने आर्थिक संकेतकों के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि वह आत्मनिर्भरता और संरचनात्मक विकास की दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ रहा है. प्रस्तुत बजट का आर्थिक आधार यह संकेत देता है कि 'विकसित मध्य प्रदेश' केवल नारा नहीं, बल्कि ठोस रणनीति का परिणाम है. सबसे पहले यदि आय के स्तर को देखा जाए, तो प्रति व्यक्ति आय का 38,497 रुपए से बढ़कर 1,69,050 रुपए तक पहुंचना केवल सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का द्योतक है.

लगभग 339 फीसदी की वृद्धि यह बताती है कि राज्य की अर्थव्यवस्था में नकदी प्रवाह बढ़ा है और आम नागरिक की क्रय शक्ति मजबूत हुई है. लाड़ली बहना योजना और किसान सम्मान निधि जैसी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं ने ग्रामीण और निम्न मध्यम वर्ग की आय में स्थिरता दी है. जब आय बढ़ती है, तो खपत बढ़ती है, और खपत आर्थिक चक्र को गति देती है. यही आर्थिक चक्र अब मध्य प्रदेश में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है.

दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष संतुलित विकास का है. बजट में कृषि, उद्योग और सेवा, तीनों क्षेत्रों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास सराहनीय है. कृषि अभी भी 43 फीसदी के साथ सकल राज्य मूल्य वर्धन की रीढ़ बनी हुई है. किंतु अब कृषि को पारंपरिक ढांचे से निकालकर सोलर पंप, डेयरी विस्तार और मूल्य संवर्धन की दिशा में ले जाया जा रहा है. यह संकेत है कि सरकार केवल उत्पादन नहीं, बल्कि उत्पादकता और आय बढ़ाने पर ध्यान दे रही है. सेवा क्षेत्र की 37 फीसदी हिस्सेदारी और लगभग 15.80 फीसदी की वृद्धि दर यह दर्शाती है कि शहरीकरण, पर्यटन और आईटी आधारित सेवाओं का विस्तार राज्य की नई पहचान बन रहा है. यह बदलाव दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है, क्योंकि सेवा क्षेत्र रोजगार सृजन और राजस्व वृद्धि दोनों में सहायक होता है. उद्योगों के लिए 1.17 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव यह स्पष्ट करते हैं कि राज्य निजी निवेश आकर्षित करने में सफल हो रहा है.

तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण पहलू राजकोषीय अनुशासन का है. 4.38 लाख करोड़ रुपए से अधिक के बजट आकार के बावजूद राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखना आर्थिक प्रबंधन की परिपक्वता को दर्शाता है. 13.5 फीसदी की कर राजस्व वृद्धि बिना नए कर लगाए राज्य की कर-संग्रह क्षमता में सुधार का प्रमाण है. वहीं 31.3 फीसदी का ऋण-जीडीपी अनुपात यह संकेत देता है कि उधारी नियंत्रित है और भविष्य के बुनियादी ढांचा निवेशों के लिए वित्तीय गुंजाइश उपलब्ध है. पूंजीगत व्यय और सामाजिक सुरक्षा के बीच संतुलन इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता है. जहां एक ओर सड़कों, सिंचाई, ऊर्जा और शहरी ढांचे पर निवेश बढ़ाया गया है, वहीं सामाजिक योजनाओं के माध्यम से कमजोर वर्गों को सुरक्षा कवच भी दिया गया है. 'नो न्यू टैक्स' की नीति मध्यम वर्ग को राहत देती है और उपभोग को प्रोत्साहित करती है.

यदि राज्य 11.14 फीसदी की वृद्धि दर को बनाए रखने में सफल रहता है, तो वह राष्ट्रीय परिदृश्य में सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा. यह बजट संकेत देता है कि मध्य प्रदेश अब केवल संसाधनों का प्रदेश नहीं, बल्कि अवसरों का प्रदेश बन रहा है. आर्थिक आत्मविश्वास की यह यात्रा ही उसे वास्तविक अर्थों में 'आर्थिक पावरहाउस' बना सकती है.

नेपाल चुनाव में भारत की कूटनीतिक परीक्षा

बांग्लादेशियों की घुसपैठ बढ़ी

आगामी 5 मार्च को पड़ोसी देश नेपाल में आम चुनाव होने जा रहे हैं. यह चुनाव नेपाल के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के 275 सदस्यों को चुनने के लिए होंगे. नेपाल का आम चुनाव भी भारत की राजनीति के लिए वही महत्व रखता है, जो महत्व बांग्लादेश के आम चुनावों का था. इसलिए हाल में नेपाल के रास्ते से बांग्लादेशियों की घुसपैठ की जो रफ्तार तेज हो गई थी, उसको देखते हुए नेपाल के आम चुनाव भी उससे प्रभावित हो सकते हैं. भारत इस बात पर विशेष नजर रख रहा है. क्योंकि यह केवल घुसपैठ का मामला नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों की परीक्षा का प्रश्न भी है. ऐसे समय जब चुनाव में व्यस्त होने के कारण नेपाल का शासन-प्रशासन इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पा रहा. इसी का फायदा उठाकर बांग्लादेशी घुसपैठिए पिछले काफी दिनों से भारत में प्रवेश के लिए नेपाल रूट को अपनाने में लगे हुए हैं.

1950 की शांति-सहयोग संधि के चलते तकरीबन 1800 किमी की भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा इस घुसपैठ की बड़ी वजह है. बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सीमावर्ती जिलों में इसके चलते गहरे सामाजिक-आर्थिक संपर्क हैं पर यह सुरक्षा दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील है. सिर्फ बांग्लादेशी ही नहीं, म्यांमार के घुसपैठिए भी बांग्लादेश से होते हुए नेपाल के रास्ते देश में घुसपैठ कर रहे हैं. दो महीने पहले जब कुछ बांग्लादेशी इस रास्ते से घुसपैठ करते हुए पकड़े गए थे, तो इसके बाद खुफिया रिपोर्टस में चेतावनी दी गई थी कि यहां के घुसपैठिए एजेंटों से आधार कार्ड बनवाकर बेंगलुरु और हैदराबाद तक पहुंचने लगे हैं.

बांग्लादेश चुनावों से पहले इस रास्ते से घुसपैठ और तस्करी तेजी से बढ़ी थी और एसएसबी ने बिहार तथा उत्तर प्रदेश की नेपाल से सटी सीमा पर अलर्ट जारी किया था. भारत, नेपाल में स्थिर सरकार चाहता है, क्योंकि अस्थिर नेपाल बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए एक अनुकूल रास्ता बना रहेगा. 2023 मैं नेपाल के पीएम के.पी. शर्मा ओली ने कहा था कि खुली सीमा का 'अनचाहे तत्वों' द्वारा दुरुपयोग न हो, इसका वे खास तौर पर ख्याल रखेंगे. 2025 में भारत-नेपाल ने अवैध प्रवेश और तस्करी रोकने पर सहमति जताई थी, लेकिन पहले तो नेपाली जेन जी आंदोलन ने अस्थिरता बढ़ाई फिर अब राजनीतिक स्थिरता के लिए नेपाल में चुनाव होने जा रहे हैं. नेपाल चुनावों का परिणाम तकरीबन तय है. संकेत हैं कि किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलेगा, गठबंधन की सरकार बनेगी.

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी यानी आरएसपी का प्रबल उभार उसे तीसरे या हद से हद दूसरे नंबर तक ही पहुंचा पाएगी. नेपाली कांग्रेस में खटपट के बावजूद पारंपरिक वोट बैंक कमोबेश अक्षुण्ण रहना, यूएमएल द्वारा कई इलाकों में अपना पारंपरिक आधार बनाए रखना, माओवादी सेंटर की घटती परंतु कुछ सीटों पर मजबूती मतलब वोट बटेंगें तिस पर आरपीपी जैसे दलों की अत्यंत सीमित सीटें आने के बावजूद त्रिशंकु सदन में 'किंगमेकर' की स्थिति, कुछ सीटों 'टेक्टिकल वोटिंग की भी संभावना है. नेपाल की मिश्रित चुनाव प्रणाली बहुदलीय परिणाम देती है. इसके चलते सरकारें बनीं, टूटीं, फिर बनीं. के. पी. शर्मा ओली, पर शेरबहादुर देउबा और पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' के बीच सत्ता-परिवर्तन की राजनीति ने स्थिरता को बार-बार चुनौती दी. यदि इस चुनाव में भी खंडित जनादेश आता है, तो वैचारिक विरोधाभासों से भरे गठबंधन बनेंगे.

भारत के लिए असल चिंता यही है कि क्या चुनावों के बाद नेपाल की नई सरकार किसी सुविचारित सकारात्मक दीर्घकालिक रणनीतिक निरंतरता रख पाएगी या घरेलू राजनीति के दबाव में अपने गठबंधन दलों के प्रभाव के चलते बार-बार रुख बदलेगी? नेपाल की राजनीति में समय-समय पर 'भारत विरोधी कार्ड' खेला जाता रहा है. 2015 के संविधान विवाद और तथाकथित नाकाबंदी की स्मृति अभी भी राजनीतिक विमर्श में है.

सीमा विवाद-लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा जैसे तमाम भावनात्मक मुद्दे आज भी जिंदा हैं. आरएसपी स्वयं को 'स्वतंत्र विदेश नीति' का समर्थक बताती है और खुले झुकाव से बचने की बात करती है. यूएमएल ने अतीत में चीन के साथ बुनियादी ढांचा सहयोग को आगे बढ़ाया है. माओवादी सेंटर वैचारिक रूप से संतुलन की बात करता है.

-संजय श्रीवास्तव

ग्वालियर चंबल डायरी

जंगल में मंगल की तैयारी, दो देशों के राष्ट्रपतियों का इंतजार

हरीश दुबे

कूनो के जंगल में मंगल की तैयारी है. भारत के जंगलों में अंधाधुंध शिकार और पर्यावरण असंतुलन के चलते चीते दसियों साल पहले अपना अस्तित्व खो चुके थे और 1952 में ही इन्हें विलुप्त घोषित कर दिया गया था लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कूनो के नेशनल पार्क में सितंबर 2022 में जब चीतों के पुनर्वास और बसाहट का प्रोजेक्ट शुरू किया तो देश के मानचित्र पर अनपहचाना सा कूनो लगभग रोज ही देश विदेश के अखबारों में सुर्खियां बटोरने लगा. इन दिनों कूनो की आबोहवा में एक बार फिर से गर्मजोशी देखी जा रही है. संभावना है कि 28 फरवरी को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और बोत्सवाना के राष्ट्रपति डूमा बोका यहां तशरीफ ला सकते हैं. दरअसल राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू हाल ही में जब बोत्सवाना गईं थीं तो बोत्सवाना के राष्ट्रपति ने उन्हें आठ चीते भेंट किए थे.

इनकी बसाहट के लिए कूनो सेंचुरी को ही चयनित किया गया है. हालांकि अभी तक दोनों में से एक भी महामहिम का आधिकारिक प्रोग्राम नहीं आया है लेकिन प्रशासन और कूनो प्रबंधन अपने तईं इंतजाम मुकम्मल करने में जुटा है. कूनो के जंगल में वीवीआईपी के लिए पांच हेलीपेड बनाकर तैयार कर दिए गए हैं. 21 फरवरी को खुद सीएम मोहन यादव यहां आकर तैयारियां देखेंगे. हाई प्रोफाइल अतिथियों के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से खुफिया एजेंसियों को भी एक्टिव और अलर्ट रखा गया है. खुशी की यह कि आज बुधवार को ही कूनो सेंचुरी में गामिनी चीता ने तीन शावकों को जन्म दिया है. इन शावकों और बोत्सवाना से आ रहे आठ चीतों को भी जोड़ दें तो भारत में चीतों की कुल तादाद 46 हो जाएगी. कह सकते हैं कि बीमारी व आपसी संघर्ष में कुछ चीतों की मौत और सेंचुरी प्रबंधन पर आए दिन उठने वाले तमाम सवालों के बावजूद चीता प्रोजेक्ट सही दिशा में रन कर रहा है.

टैलेंट हंट क्लीयर करने के बाद ही कांग्रेस में मिलेंगे पद

कांग्रेस में बड़े नेताओं की सिफारिशों और धनबल, बाहुबल के जोर पर नियुक्तियों की परिपाटी रोकने के लिए राहुल गांधी ने टैलेंट हंट की शुरुआत की थी. कांग्रेस के मुख्य संगठन से लेकर आनुषांगिक संगठनों में टैलेंट हंट के जरिए ही प्रवक्ता और पैनलिस्ट नियुक्त करने की परंपरा अब एआई के दौर में प्रवेश कर गई है. फिलवक्त सूबाई कांग्रेस में टैलेंट हंट प्रोग्राम चल रहा है. पुराने सभी प्रवक्ता अपनी जिम्मेदारियों से रुखसत कर दिए गए हैं. टैलेंट हंट के जरिए नई राजनीतिक प्रतिभाओं की तलाश की जा रही है. संवाद कौशल, सामयिक विषयों पर पकड़, विरोधियों से वाद विवाद में पार्टी के पक्ष को रखने में महारथ के साथ इस बार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानि एआई की समझ पर भी जोर दिया जा रहा है. ग्वालियर से तमाम कांग्रेस नेता प्रदेश प्रवक्ता बनने की दौड़ में हैं.

अब 22 फरवरी शांति से गुजारने की चुनौती

यहां के हाइकोर्ट परिसर में अम्बेडकर प्रतिमा लगे, अथवा न लगे, इस मुद्दे पर दो विचारधाराओं के टकराव ने अमनपसंद मिजाज वाले ग्वालियर शहर की फ़िजाँ में पिछले कुछ महीने से जातीय तनाव को सुर्ख कर रखा है. तनाव को हवा देने की दोनों तरफ से कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही लेकिन प्रशासन और पुलिस की पुरजोर कोशिश है कि यहां दो अप्रैल जैसे हालात नहीं बनें. बहरहाल, अम्बेडकर प्रतिमा से शुरू हुआ विवाद यूजीसी के ताजा मुद्दे पर आकर टिक गया है. प्रशासन दोनों तरफ वालों को ऐसे किसी भी कार्यक्रम की इजाजत नहीं दे रहा है जो आग में घी का काम करे लेकिन कुछेक संगठनों ने 22 फरवरी को ग्वालियर में सामाजिक विचार संगोष्ठी रखकर प्रशासन के समक्ष नई चुनौती पैदा कर दी है. अंबेडकर प्रतिमा, आरक्षण, यूजीसी जैसे तमाम मुद्दों पर अपने बयानों के कारण चर्चा और विवादों में रहे एस फॉर संगठन के आनंद स्वरूप स्वामी इस विचार संगोष्ठी में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने के लिए ग्वालियर चंबल अंचल के तमाम जिलों, कस्बों में जाकर न्यौता दे रहे हैं. सन 90 में आरक्षण के विरोध में आत्मदाह करने वाले अखिलेश पांडे जैसे पुराने चेहरे भी इस मुहिम में शामिल हैं. यूजीसी रोलबैक की मांग को लेकर आठ मार्च को दिल्ली में हो रहे महाआंदोलन में भी ग्वालियर से बड़ी भागीदारी की तैयारी है. उधर अम्बेडकर प्रतिमा समर्थकों के अभियान की कमान भीम आर्मी के दामोदर यादव संभाल रहे हैं. लाखन सिंह बौद्ध भी एक्टिव हैं. प्रशासन और पुलिस की एक एक एक्टिविटीज पर नजर है.

अपनी एटमी ताकत बढ़ाने लगा चीन

उपग्रहों से खींची गई तस्वीरों में चीन के सिचुआन प्रांत में जिटांग घाटी में इंजीनियर नए बंकर व परकोटे बनाते नजर आए हैं. वहां ढेर सारे पाइप हैं जो संकेत देते हैं कि वहां खतरनाक परमाणु घटकों की मौजूदगी है. सिचुआन प्रांत में 6 दशक पूर्व माओत्से तंग ने चीन के एटमी शस्त्रों को रूस या अमेरिका के हमले से बचाने के लिए थर्ड फ्रंट के रूप में पहाड़ों की घाटी में यह छुपे हुए परमाणु केंद्र बनवाए थे. 1980 में वॉशिंगटन और मास्को के साथ चीन का तनाव घट गया, लेकिन पिंगटांग और जिंगटांग में परमाणु गतिविधियां चलती रहीं. विशेषज्ञों की राय में पिंगटांग में फ्लूटोनियम का भंडार बनाया गया है जबकि जिंगटांग में परमाणु परीक्षण के उच्च क्षमता के विस्फोट के उद्देश्य से नए बंकर व परकोटे बनाए गए हैं, जो कंपन को झेल सकें. वहां 10 बास्केटबॉल कोर्ट के आकार का अंडाकार क्षेत्र है जिसका उद्देश्य परमाणु परीक्षण से जुड़ा हुआ है. चीन की दादागीरी और आक्रामक विस्तारवाद की नीति किसी से छुपी नहीं है. वह ताइवान को हथियाना चाहता है जिसे अमेरिका ने सुरक्षा दे रखी है.

रूस और अमेरिका के बी परमाणु शस्त्र संधि समाप्त हो जाने के बाद अब चीन वैश्विक एटमी शस्त्र नियंत्रण के महत्वाकांक्षी प्रयासों में लगा हुआ है. अभी चीन के पास 600 से ज्यादा परमाणु शस्त्र या न्यूक्लीयर वॉरहेड हैं, जिन्हें वह 2030 तक बढ़ाकर 1,000 कर देगा.

जापान के कुछ छोटे द्वीपों पर भी चीन का दावा है. चीन का भारत के अलावा रूस और मंगोलिया से भी सीमा विवाद है. अमेरिका ने कहा है कि अगले किसी भी परमाणु प्रसार नियंत्रण समझौते में चीन को शामिल किया जाएगा. वह उसके लिए भी बंधनकारी रहेगा. चीन ने इस प्रस्ताव में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई. वह विश्वस्तरीय एटमी ताकत बनने का लक्ष्य रखता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

स्टैंडअप कॉमेडियन तो सिटिंग क्यों नहीं हंसी के ठहाके बेहद जरूरी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें बताइए कि स्टैंडअप कॉमेडियन हमेशा खड़ा क्यों रहता है? क्या वह बैठकर कॉमेडी नहीं कर सकता? सोचिए कि यदि स्टैंडअप कॉमेडियन के पैर में मोच आ जाए तो वह कैसे खड़ा रह पाएगा? ऐसे में उसकी कॉमेडी का क्या होगा.'

हमने कहा, 'पुराने स्कूल मास्टर किसी शरारती लड़के को डांटकर कहते थे- स्टैंडअप ऑन द बेंच ! इस तरह बेंच पर देर तक खड़े रहते-रहते कुछ चालू दिमाग के बच्चे बड़े होते ही स्टैंडअप कॉमेडियन बन गए क्योंकि पढ़ाई को सीरियसली न लेते हुए उसे कॉमेडी समझते थे.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, स्टैंडअप कॉमेडियन बनना आसान नहीं है. यह एक परफॉर्मिंग आर्ट है. आपको याद होगा कि पिछले वर्ष ऐसा ही एक कॉमेडियन कुणाल कामरा एक नेता का मजाक करने वाली अपनी कॉमेडी की वजह से मुसीबत में फंस गया था.'

हमने कहा, 'एक वक्त था जब कॉमेडियन के बिना फिल्में बनती ही नहीं थीं. महमूद, जॉनीवाकर, राजेंद्रनाथ, जॉनी लिवर दर्शकों का मनोरंजन करते थे. फिल्म 'प्यार किए जा' में महमूद और ओमप्रकाश की कॉमेडी दिलचस्प थी. उसमें महमूद अनोखे अंदाज में हॉरर स्टोरी सुनाकर ओमप्रकाश को डराता है. 'शोले' में जगदीप ने सूरमा भोपाली का और असरानी ने अंग्रेजों के जमाने के जेलर का किरदार निभाया था.'

पड़ोसी ने कहा, कहा, 'निशानेबाज, हम लोग चलते-फिरते, नाचते-गाते हास्य कलाकार की नहीं, बल्कि स्टैंडअप कॉमेडियन की बात कर रहे हैं. स्टैंडअप कॉमेडी किसी शब्द, विचार या मुहावरे से शुरू की जाती है. घिसे-पिटे पुराने जोक्स से काम नहीं चलता. कॉमेडियन को पब्लिक से कनेक्ट करना पड़ता है. लय या रिदम बनाए रखनी पड़ती है ताकि लोग बंधे रहें. यह लाइव परफॉर्मेंस होता है जिसके लिए पहले से काफी प्रैक्टिस करनी पड़ती है. हर एक-दो वाक्य के बाद श्रोताओं को हंसी आए तो ठीक, नहीं तो रिकॉर्ड की गई हंसी के फिलर्स डाल दिए जाते हैं.'

हमने कहा, 'राजाओं के दरबार में भी विदूषक रहा करते थे जो अपने चुटकुलों या हरकतों से राजा का तनाव दूर कर उसे खुश करते थे. शेक्सपीयर व कालिदास के नाटकों में भी क्लाउन या कोर्टजेस्टर हुआ करते थे. कभी-कभी राजनीति में भी ऐसे हुनरमंद लोग देखे जाते हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12175

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	4		■	5
	■	6			■	7	
8	9		■	10	11		
12		■	13				■
	■	14				■	15
■	16			■	17	18	
19	■	20		■	21		
22			■	■	■	23	

ऊपर से नीचे
1. गिरफ्तारी 2. साफा, सिर पर बांधने का लंबा कपड़ा 3. ईश्वर, राजा दशरथ के पुत्र श्रीरामचंद्र 4. अचानक, सहसा (उर्दू) 5. परमेश्वर, स्वामी 7. सौतेली मां 9. स्वीकृति, हिमायत करने वाला 11. बकबक करना, ढिठाई से बोलना प्रभावोत्पादक, उपयोगी (उर्दू) 13. 14. नीच व्यक्ति 15. भलाई या उपकार करने वाला 18. उल्टी करना 19. मौन

बाएं से दाएं
1. धर्म में निष्ठा रखने वाला 6. जाने वाला, सुगंध 7. संसार, जगत 8. पहाड़ पर रहने वाला, पहाड़ का छोटा और कम ऊंचा पहाड़ 10. राह में आकर माल छीन लेने वाला, ठग, डाकू 12. न्यूनता 13. भीरूपन 14. बेंत की तरह का एक पौधा 16. द्रोह, षडयंत्र-अपराध आदि का गुप्त रूप से लगाया हुआ पता 17. छोटा राजा, सरदार 20. धारण करने वाला, पकड़ने की क्रिया या भाव 21. नाम से प्रसिद्धी धारण करने वाला 22. जिससे आगे या अधिक और कुछ न हो, सर्वश्रेष्ठ 23. पुरुष, आदमी, जो पुरुष जाति का हो

Solution 12174

आ	म	शू	ल	■	बा	ल	म
रा	ज	■	वा	स	■	ह	द
म	ह	रा	■	ह	र	जा	ना
■	ब	म	व	र्ष	क	■	रि
ह	■	दा	ल	■	म	ह	■
रि	■	ना	न	■	■	ला	ज
या	र	■	■	म	स	ह	री
ली	न	ता	■	म	त	ल	ब

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नवीन कार्यो में रूचि एवं सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय में लाभ होगा, वर्ष के मध्य में सत्ता सुख प्राप्त होगा, स्थाई लाभ का योग है, वर्ष के अन्त में माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, अत्याधिक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी, अधिकारी वर्ग से मतभेद हो सकता है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य से मन अशांत रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम से सफलता मिलेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को स्थाई लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को सत्ता पक्ष से सुख मिलेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिकारों में वृद्धि होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मतभेद हो सकता हे, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हंसमुख, मिलनसार, चंचल तथा व्यवहार कुशल और परिश्रमी होगा. जन्म स्थान से दूर रहकर अपना भाग्योदय करेगा. माता का भक्त होगा. यात्रा अधिक करेगा. तेजस्वी और निड़र होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

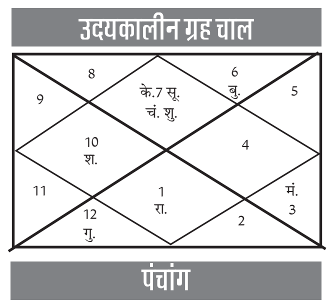

पंचांग

रा.मि. 30 संवत् 2082 फाल्गुन शुक्ल द्वितीया गुरूवासरे शाम 4/18, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्रे रात 9/24, सिद्ध योगे रात 9/26, कौलव करणे सू.उ. 6/22, सू.अ. 5/38, चन्द्रचार कुम्भ दिन 3/27 से मीन, शु.रा. 11, 1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन शुक्ल द्वितीया को पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से रूई, कपास, सूत, वस्त्र, सन, मैथी, तांबा के भाव में समानता रहेगी. मोट, मसूर, बाजरा, मक्का, गुड़, मूंगफली, तेल, घी में तेजी का रूख रहेगा. अन्य वस्तुओं में पहली बनी लाईन समानता की रहेगी. भाग्यांक 2563 है.

मेष- मेहनत के बावजूद कारोबारी कार्यों में परेशानी हो सकती है. विशेष श्रम तथा प्रयास से कार्यों में सामान्य सफलता के योग हैं. प्रतिष्ठा बनी रहेगी.

वृषभ- नए संपर्क आगे बढ़ने में मदद करेंगे. नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा. शीघ्रता में किये गये कार्यों में सावधानी रखें. नुकसान हो सकता है.

मिथुन- साझेदारी लाभदायी रहेगी. अचानक बड़ी सफलता से खुशी होगी. नौकरी संबंधी प्रयासों में सफलता मिलेगी. राजकीय सहयोग से रूके कार्य बनने का योग है.

कर्क- अविवाहित वैवाहिक चर्चाओं में सफलता को लेकर उत्साही रहेगें. धार्मिक सत्संग से मानसिक प्रसन्नता होगी. प्रवास का योग है. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा.

सिंह- पारिवारिक और निजी संबंधों में मधुरता बढ़ेगी. समाज में मान सम्मान और बर्चस्व बढ़ेगा. जीवनसाथी का कार्य में अच्छा सहयोग रहेगा.

कन्या- लोग आपसे प्रभावित होगें. बाहर जाने का कार्यक्रम बनेगा. व्यवसायिक कामकाज की अधिकता रहेगी. मनोरंजन के साधनों में वृद्धि होगी.

तुला- व्यापारिक विस्तार से अच्छी आय की सम्भावना बनेगी. आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें. मांगलिक कार्य बनने का योग है. शत्रु वर्ग प्रभावी रहेगा.

वृश्चिक- अधिकारियों के सहयोग से महत्वपूर्ण योजनायें पूरी हो सकती हैं. संतान के कारण भावनात्मक कष्ट होगा. आकस्मिक यात्रा का योग है.

धनु- मित्र मण्डली के सहयोग से अटकी योजना शुरू कर सकते हैं. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. महिला जाति की सलाह लाभप्रद रहेगी.

मकर- महत्वपूर्ण निर्णय लेने में हिचकिचाहट हो सकती है. पुराने मित्र मिलेंगे. साहसिक प्रयत्न से अभीष्ट कार्यो की प्राप्ति होगी. दूर दराज की यात्रा का योग है.

कुम्भ- बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी. कारोबार में उतार चढ़ाव से लाभ कम होगा. आकस्मिक खर्च होगा. परिणाम विलंब से मिलेंगे. शुभ संदेश मिलेगा.

मीन- धार्मिक कार्यों में शामिल होकर अच्छा महसूस करेंगे. समय पर सोचे हुये कार्यों के बनने का योग है. मानसिक संतोष और यश में वृद्धि होगी.

SUDOKU 7307

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7306

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5